



NaMo 25 · #25YearsofSeva

तब और अब · 2014 → 2026

डिजिटल

सस्ता डेटा और आधार-UPI-डिजिलॉकर की सार्वजनिक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर ने भारत को विश्व की सबसे बड़ी रीयल-टाइम भुगतान प्रणाली दी; मोबाइल निर्माण आयात से निर्यात की ओर मुड़ गया। 11 संकेतक — हर एक तिथि के साथ।

7 अक्टूबर 2001 → 7 अक्टूबर 2026 · 25 साल, ज़ीरो ब्रेक · 25YearsofSeva.com · संस्करण 88 · 7 अक्टूबर 2026
हर आँकड़ा तिथि सहित — पूरा रिकॉर्ड वेबसाइट पर।



डिजिटल

सस्ता डेटा और आधार-UPI-डिजिलॉकर की सार्वजनिक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर ने भारत को विश्व की सबसे बड़ी रीयल-टाइम भुगतान प्रणाली दी; मोबाइल निर्माण आयात से निर्यात की ओर मुड़ गया।

इंटरनेट कनेक्शन

*4.3

तब
25.15 करोड़

अब
109.28 करोड़

मार्च 2014 → मार्च 2026

मोबाइल डेटा की कीमत

97% सस्ता

तब
₹269 / GB

अब
₹7.51 / GB

मार्च 2014 → मार्च 2026

UPI — एक वर्ष का लेनदेन

शून्य से

तब
UPI नहीं था

अब
₹314 लाख करोड़ ·
24,162 करोड़
लेनदेन

2016 से पहले → 2025-26

देश में बने मोबाइल फ़ोन
(मूल्य)

*29

तब
₹18,900 करोड़

अब
₹5.45 लाख करोड़

2014-15 → 2024-25

मोबाइल फ़ोन निर्यात

*133

तब
₹1,500 करोड़

अब
₹2 लाख करोड़

2014-15 → 2024-25

मोबाइल बनाने वाली फैक्ट्रियाँ

*150

तब
2

अब
300 से अधिक

2014 → 2025

इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन

*5.9

तब
₹1.9 लाख करोड़

अब
₹11.3 लाख करोड़

2014-15 → 2024-25

मोबाइल बेस स्टेशन (BTS)

*4.8

तब
6.5 लाख

अब
31.4 लाख

2014 → 2025

पंजीकृत स्टार्टअप

शून्य से

तब
स्टार्टअप इंडिया नहीं
था

अब
2.35 लाख से
अधिक · 131
यूनिकॉर्न

2016 से पहले → जून 2026

डिजिलॉकर इस्तेमाल करने
वाले

शून्य से

तब
सेवा नहीं थी

अब
70 करोड़ से अधिक

2015 से पहले → सितम्बर 2026

सेमीकंडक्टर (चिप)
परियोजनाएँ

शून्य से

तब
एक भी नहीं

अब
12 परियोजनाएँ ·
₹1.64 लाख करोड़

2014 → मई 2026